Re: Threat by Dock Workers to go on Strike

SHRIMATI KAMLA SINHA (Bihar): Madam, I would like to draw your attention and, through you, the attention of the House and the Minister of Transport, to the threat of strike by dock workers.

Madam, as you know, there are more than two lakh dock workers in this country. They have decided to resort to direct action after 31st July, 96 if formal approval to the payment of productivity-linked incentive, as per the settlement signed under section 12(3) of the Industrial Disputes Act, is not given and payment is not made before 31st July, 1996.

Madam, after protracted negotiations, legally-binding settlements were signed on 8th February, 96 before the Central Chief Labour Commissioner by the Port Trust authorities and the representatives of the Workers' Federations.

The Productivity Linked Incentive (PLI) for the year 1994-95 should have been paid without delay, as per the formula mentioned in the settlement arrived at after the consent of the Ministry of Surface Transport. It is delayed now for over a year and the PLI for the succeeding year, 1995-96, has also become over-due. The workers, therefore, are naturally restless.

The workers have requested the Government repeatedly, both orally and in writing, to allow the employment authorities to make the PLI payments immediately.

In the circumstances, Madam, the workers are left with no alternative but to give a call for direct action from any date after the 31st of July, 1996, if the payment is not made within the date.

Madam, you know, if the workers go on strike, then all our ports will be paralysed. Our import and export trade will also be seriously affected. So, I implore upon the Government to take a decision before that time limit so that such an untoward situation does not arise.

Thank you, Madam.

RE. CONSTRUCTION OF RAILWAY BRIDGE BETWEEN PEHLEJA AND DIGHA IN BIHAR

डा॰ जगन्नाथ मिश्र (बिहार): महोदया, एक अत्यंत ही महत्वपूर्ण विषय पर हम भारत सरकार का ध्यान आकृष्ट करना चाहते हैं कि पिछले 16 जुलाई को रेल मंत्री ने बजट भाषण में यह घोषणा की कि पटना में गंगा पर पुल बनाया जाएगा। स्थल का चयन बाद में सबकी राय से किया जाएगा। यह घोषणा उन्होंने की थी जबकि पहले से दीघा स्थल चयनित है। स्वर्गीय श्री ललित नारायण मिश्र जी ने इस पुल को बनाने की घोषणा की थी। पहलेजा (सोनपुर) और दीघा के बीच ही रेल पुल बनाने की बात की गयी थी। रेल मंत्री की इस घोषणा के बाद सोनपुर में एक जन आंदोलन हुआ, एक बड़ी भीड़ एकत्र हुई उस पर पुलिस ने गोली चलाई जिससे दो व्यक्ति मारे गए हैं। इससे वहां परिस्थिति अत्यंत ही विस्फोटक हो गयी है। रेल मंत्री को यह स्पष्ट करना चाहिए कि पुल का स्थल वही पुराना स्थान होगा— दीघा और पहलेजा घाट। कोई नया स्थल नहीं चुना जाने वाला है। वहां के लोगों में आक्रोश है और बातें की जा रही हैं कि मुख्य मंत्री और रेल मंत्री के विचारों में मतभेद है। रेल मंत्री संभवतः हाजीपुर ले जाना चाहते हैं उसको और मुख्य मंत्री पुराने स्थल सोनपुर और पहलेजा के बीच ही वह पुल चाहते हैं। यह मामला पूर्ण रूप से भारत सरकार से सम्बद्ध है। रेल मंत्री की घोषणा के बाद ही वहां जन आंदोलन हुआ और बड़ी भीड़ एकत्र हुई। लोग आक्रोश का प्रदर्शन कर रहे थे। उसमें पुलिस ने गोली चलायी और दो व्यक्ति मारे गए हैं। एक मृतक की संपुष्टि बिहार सरकार ने की है। दूसरे मृतक की संपुष्टि नहीं हुई है। लेकिन स्थानीय लोग जानते हैं कि पुलिस के बर्बरतापूर्ण आचरण की वजह से वहां पर यह दुर्घटना घटी है इसलिए मैं भारत सरकार से चाहता हूं कि तत्काल वह इस भ्रम को दूर करे और पुल का स्थल वही हो जो पुराने समय से निर्धारित है—पहलेजा और दीघा के बीच में। जब तक कि रेल मंत्री फिर से यह पुष्ट नहीं कर देते हैं वहां का जन आंदोलन शांत नहीं होगा। हम भारत सरकार का ध्यान लोक महत्व के इस विषय पर आकर्षित करते हैं कि तत्काल भारत सरकार को इस पर अपनी प्रतिक्रिया दे।

श्री एस०एस० अहलुवालिया (बिहार): महोदया, मैं डा० जगन्नाथ मिश्र द्वारा इस बियष को उठाए जाने पर उनके साथ सहमति प्रगट करता हूं और आपके माध्यम से सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं कि सोनपुर एक ऐतिहासिक जगह है और बहुत दिनों से जानी जाती है। एक तो पशुओं के मेले के कारण और दूसरा लोग कहते थे कि एशिया का सबसे बड़ा प्लेटफार्म सोनपुर का था और रेलवे का बहुत बड़ा स्थान था। इन्हीं चीजों को मद्देनजर रखकर सोनपुर के पहलेजा घाट से पटना के दीघा घाट को जोड़ने के लिए गंगा पर एक रेलवे ब्रिज बनाने के लिए बहुत दिनों से बात चल रही थी और बहुत सारी समितियों ने अपनी रिपोर्ट के माध्यम से कहा कि यह रेलवे ब्रिज पहलेजा घाट से दीघा घाट के बीच बनना चाहिए।

पर दुर्भाग्य है कि हमने जब भी महोदया, डिस्बैलेंस और इंबैलेंसेज़ आफ़ डिवैलपमेंट के बारे में, एक बार रिजनल इंबैलेंसेज़ के बारे में बात सोची है तब हर बार यही रेकमेंडशन आती है कभी कोई ताकतवार मंत्री किसी एक इलाके में चला जाता हैं तो सारी प्रगति को अपने ही इलाके में ले जाना चाहता है और जिसके कारण दूसरे इलाके छूट जाते है, पिछड़ जाते हैं और जहां डिवैलपमेंट हुई हुई है वह अधूरी हो जाती है यह भी एक मिसाल है महोदया, हाजीपुर से पटना के लिए आलरेडी गांधी सेतु जो रोड का ब्रिज बनाया गया और यह ब्रिज जो नार्थ बिहार को पटना के साथ में जोड़ता है और इस ब्रिज को बनाने के बाद रोड ब्रिज के महत्व को समझते हुए यह ब्रिज बनाया गया था और रेल के ब्रिज को समझते हुए पहलेजा घाट से दीघा घाट को बनाने की कोशिश की गई थी। जब लोग निराश हुए, जब उन्होंने यह सारी आशाओं पर पानी फेर दिया यह कह कर कि फिर से उस पर विचार किया जाएगा और लोगों के मन में शंका पैदा हुई तो सोनपुर के लोगों ने एकदम जन-विद्रोह के रूप में वहां की रेलवे लाइन रोक दी, रास्ते बंद कर दिए और आंदोलन के रूप में उभर गए। महोदया, यह किसी पर्टिकुलर पार्टी की तरफ से आंदोलन नहीं है, जनता की तरफ से आंदोलन है। हर पार्टी के सदस्य, हर पार्टी के समर्थक, हर पार्टी के नेता वहां पहुंचे और वहां गोली चल गई। गोली चलने पर वहां एक नौजवान मारा गया जिसको लेकर वहां आक्रोश है। वहां कुछ असामाजिक तत्व भी इस चीज़ को और भड़काने की कोशिश कर रहे है। जैसा कि डाक्टर साहब ने कहा है कि राज्य के मंत्री चाहते थे कि सोनपुर के इलाके का यह ब्रिज बन जाए और आज से नहीं जब ललित नारायण मिश्र ने यह बात फैसला की गई थी तब भी वहां की मांग थी और यह वहां की जनता की मांग है। उस इलाके की मांग है। उसका पूरा करने के लिए सरकार को कम से कम सामने आकर अपना वक्तव्य स्पष्ट करना चाहिए। हमें कोई आपत्ति नहीं है वह हाजीपुर ब्रिज एक रेलवे का भी बना लें रोड के रूप में **(व्यवधान)**

उपसभापतिः रेलवे के ऊपर डिसकशन आज से शुरू हो रही है। मंत्री जो आयेंगे तो जरूर पूछिएगा।

श्री एस०एस० अहलुवालियाः महोदया, वहां पर यह जन आक्रोश है। मुझे कोई आपत्ति नहीं है वहां पर आप ब्रिज बना लीजिए, पर पहलेजा घाट से दीघा घाट का ब्रिज जरूर बनना चाहिए। यही हमारी मांग है। धन्यवाद।

उपसभापतिः रेलवे पर डिसकशन आज शुरू होने के लिए लिस्टेड है और उसमें दो दिन की चर्चा होगी। मंत्री जी यहां होंगे तो जरूरी वह इस चीज़ पर भी जवाब आप लोगों की बात का देंगे। उस समय उठाइये। **(व्यवधान)** आपको भी इसी समय, इसी सब्जैक्ट पर बोलना है...**(व्यवधान)** आपको ब्रिज चाहिए या नहीं चाहिए।

श्री प्रेम चन्द गुप्ता (बिहार): चाहिए। मैडम।

उपसभापतिः तो आप कह दीजिए कि मुझे भी ब्रिज चाहिए।

श्री प्रेम चन्द गुप्ताः मैडम, वहां पर सिचुएशन बड़ी टैंस है इस पुल के लिए ...**(व्यवधान)** जब उस पुल के लिए प्लानिंग की गई थी। सोनपुर-पहलेजा घाट...**(व्यवधान)**

उपसभापतिः अब आप भी बिहार रिप्रेजेंट करते हैं?

श्री प्रेम चन्द्र गुप्ताः जी मैडम। तो पुल नहीं बनना चाहिए। उसकी लोकेशन चेंज नहीं होनी चाहिए क्योंकि फाइनांशेल या टैक्नीकली जो रिपोर्ट बनाई गई उसमें इसी लोकेशन को एप्रूव किया गया था, यही मेरा सबमिशन है, मैडम

SPECIAL MENTIONS

Waiving of Interest on an amount Below Rs. 10 thousand Borrowed by Farmers from Commercial Banks

श्री नरेश यादव (बिहार): महोदया, संयुक्त मोर्चा की सरकार के द्वारा कल हमारे माननीय वित्त मंत्री श्री